

QP Code: U25B046

Reg. No : .....

Name : .....

**ST MARY'S COLLEGE (AUTONOMOUS), THRISSUR-20**

**II SEMESTER (FYUGP) DEGREE EXAMINATION, MARCH 2025**

**B.A/B.Sc/B.Com/BSW**

**HIN2MN101 : TRANSLATION PROCESS AND TECHNIQUES**

**2024 Admission Onwards**

**(Credits: 4)**

**Time: 2 Hours**

**Maximum Marks: 70**

**Section A**

*Answer all. Each question carries 3 Marks (Ceiling: 24 Marks)*

1. अनुवाद की विशेषताएँ क्या हैं ? [BTL1]
2. भारतीय अनुवाद परिषद कहाँ है ? [BTL2]
3. अनुवाद के प्रकारों पर टिप्पणी लिखिए। [BTL1]
4. साहित्यिक अनुवाद में सबसे सरल अनुवाद क्या है? [BTL3]
5. सारानुवाद क्या है? [BTL1]
6. नेहरू जी की किताब Discovery of India का हिंदी अनुवाद का नाम क्या है? [BTL4]
7. पारिभाषिक शब्दावली की विशेषता क्या है ? [BTL1]
8. अनुवाद का मूल अर्थ क्या है ? [BTL1]
9. पंक्ति-प्रति-पंक्ति अनुवाद किसे कहते हैं ? [BTL3]
10. कार्यालयी अनुवाद क्या है? [BTL4]

**Section B**

*Answer all. Each question carries 6 Marks (Ceiling: 36 Marks)*

11. अनुवाद कैसे सांस्कृतिक समझ और सहयोग को बढ़ावा देता है? [BTL1]
12. कार्यालयी अनुवाद क्या है? [BTL2]
13. प्रतिकान्तर क्या है? [BTL2]
14. सोशल मीडिया और साहित्य में अनुवाद की चुनौतियाँ क्या हैं? [BTL3]
15. अनुवाद कैसे शिक्षा और अनुसंधान में विद्वानों की मदद करता है? [BTL4]
16. अनुवाद के लिए आवश्यक कौशल क्या हैं? [BTL4]

**Turn Over**

17. छायानुवाद क्या है?

[BTL5]

18. अनुवाद के मुख्य लाभ क्या हैं?

[BTL4]

### Section C

*Answer any one. Each question carries 10 Marks (1x10=10 Marks)*

19. निम्नलिखित गद्यांश का हिन्दी में अनुवाद कीजिए ।

[BTL1]

The Taj Mahal is a very famous building. It is one of the wonders of the world. It is situated at Agra on the right bank of the Yamuna. It was built by Shah Jahan. He built in it the memory of his dear wife Mumthaz Mahal. People come from far and wide to see this historical building. It is very pleasant to see it in the rainy season when the scenery on all sides is very beautiful. Hundreds of years have passed but its beauty is the same, as it was, when it was built.

20. निम्नलिखित गद्यांश का अंग्रेजी में अनुवाद कीजिए ।

[BTL4]

महात्मा बुद्ध का जन्म 2500 वर्ष पूर्व हुआ था। वे अहिंसा के महान प्रचारक थे। उनका कहना था कि सबके प्रति दयालु रहना हमारा कर्तव्य है। एक दिन उन्होंने एक वृद्ध मनुष्य को देखा। तत्पश्चात् उन्होंने एक मृत व्यक्ति को देखा। इस पर उन्हें हार्दिक वेदना हुई। उन्होंने अपना गृह त्याग दिया और तपस्या के लिए वनों में चले गये। वे वहाँ छः वर्ष तक रहे और अन्त में एक दिन उन्हें अपनी इच्छित वस्तु प्राप्त हो गयी। उस दिन से वे बुद्ध कहलाये। उन्होंने 'बौद्ध धर्म' नामक एक नये धर्म का प्रचार भी किया।

\*\*\*\*\*